नाम – दिव्यांशी मिश्रा

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

एकजुट हो गए सब युवा करने को अपने प्रयत्न बदलेगा यह भारत और प्राप्त होंगे सतत विकास के सब लक्ष्य

प्रस्तावना–

"Transformation our world : The 2030 Agenda for sutainble Devolepment Goals" थीम पर आधारित सतत विकास के लक्ष्यों को निर्धारित करते हुए वर्ष 2015 में आगामी 15 वर्षों में होने वाले विकास और उसकी चुनौतियों का एक खाका तैयार किया गया। जिसमें 17 सतत विकास लक्ष्य(Sustaible Devolepment Goals-SDG) निर्धारित किए गए थे। संयुक्त राष्ट्र सभा सहित लगभग 193 देशों ने इस डिक्लेरेशन में प्रतिभाग किया।

17 सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत अनेक प्रकार विकास का खाका तैयार किया गया था। उन सभी विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में हम सभी खासकर युवा साथियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

सतत विकास के लक्ष्य–

17 सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किए गए थे जिसमें विभिन्न प्रकार के मुद्दों का उल्लेख है गरीबी उन्मूलन भ्रष्टाचार रोजगार के अवसर नागरिकों के साथ साथ एक दूसरे देशों की असमानता में कमी सुरक्षा स्वास्थ्य आदि कई प्रकार की समस्याओं का जिक्र किया गया।

युवाओं का योगदान–

किसी भी देश का युवा उस देश की रीड की हड्डी कहलाता है जिस प्रकार शरीर बिना रीढ़ के हड्डी के नहीं चल सकता उसी प्रकार देश भी युवाओं के सहयोग के बिना प्रगति नहीं कर सकता है।

अतः देश को बेहतर और खुशहाल बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत आवश्यक है क्योंकि विश्व का एक बड़ा तबका युवा है। लगभग 1.2 अरब विश्व की आबादी 15 से 24 वर्ष की श्रेणी में आती है युवा यदि सशक्त होगा तो ही देश प्रगति करेगा।

सतत विकास लक्ष्य धीरे–धीरे कार्य कर रहा है। वर्ष 1990 तक जहां 36ः बीपीएल की श्रेणी में लोग आते थे वही 2014 तक यह आंकड़ा कम होकर 24ः हो गया 2015 तक एक लाख से ऊपर लोगों ने खुद को गरीबी

रेखा से नीचे की श्रेणी में लाकर खड़ा किया है भारत सतत विकास लक्ष्य का अहम बिंदु है सरकार सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समय–समय पर कई योजनाओं को प्रारंभ करती है।

युवा उस योजना में प्रतिभाग कर के उस योजना को सफल बना कर सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता कर सकती है इसी प्रकार कई तरह से युवा अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकता है जैसे सड़क सुरक्षा ैक्ळ–3.2 को प्राप्त करने में युवा अहम भूमिका निभा सकते हैं युवाओं को चाहिए कि यह विकास की राह में आने वाले विभिन्न चुनौतियों के प्रति खुद को जागरुक करते हुए लोगों को भी जागरूक करें देश के युवा को नैतिक चारित्रिक मानसिक धार्मिक और राजनीतिक रूप से साफ सुथरा होना चाहिए। सतत विकास के लक्ष्यों में भी गरीबी उन्मूलन को कम करने के लिए युवाओं को स्टार्टअप जैसी योजना में भाग लेना चाहिए।

''आत्मनिर्भर भारत'' को आत्मसात कर खुद को स्वरोजगार के लिए उपयुक्त बनाना होगा।

निष्कर्ष–

इस प्रकार SDG के लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।